MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS. PLEASE READ ALL DOCUMENTS CAREFULLY BEFORE INVESTING.

SHRIJI INVEST - TAX SAVING FUND

ELSS - EQUITY LINKED SAVINGS SCHEME

ELSS

There are two types of ELSS one is hybrid and the other is pure equity.

What is ELSS?

ELSS, or Equity Linked Savings Schemes, are mutual funds that invest in equities and in the debt market [debt schemes invest in government bonds and debentures (commercial papers issued by companies)].

They are classified as tax-saving mutual funds that fall under Section 80C of the Income Tax Act.

Under this Act, ELSS funds allow you to claim a deduction of up to Rs 1,50,000 annually, which can help you save Rs 46,800 in tax. [If you are in the 30% tax bracket.]

Features of ELSS Mutual Funds:

1. Dual benefit

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS. PLEASE READ ALL DOCUMENTS CAREFULLY BEFORE INVESTING.

ELSS funds are the only type of mutual funds in the Indian market, which give you the dual benefit of tax exemption and wealth growth.

2. Returns can beat inflation-

One of the major advantages of these tax-saving investments is that they have the potential to beat the inflation rate, unlike fixed deposits and savings account funds, which consistently fail to beat the inflation rate.

3. Managed by financial experts

ELSS mutual funds are managed by fund managers who have a track record of managing portfolios and delivering returns, which have the potential to beat the benchmark.

4. Shortest lock-in period

Out of all the options presented under Section 80C as a way to avail tax exemptions, ELSS mutual funds have the shortest lock-in period of three years. ELSS funds come with a mandatory lock-in period of three years, which is the lowest when it comes to 80C options.

Equity Linked Savings Scheme funds offer tax efficiency and the potential for strong returns, making them the preferred choice for tax-saving investments while building wealth.

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS. PLEASE READ ALL DOCUMENTS CAREFULLY BEFORE INVESTING.

The key tax benefits offered by these funds are as follows:

- Section 80C deduction: ELSS investments are eligible for deduction under Section 80C, allowing investors to claim a deduction of up to Rs 1.5 lakh from their taxable income.

- Maximum tax savings: Investors can reduce their taxable income and save up to Rs 46,800, depending on their tax bracket.

- Long Term Capital Gain Tax: After the lock-in period, investors can redeem it.

- Tax on gains after Rs 1.25 lakh in this scheme is levied as LTCG plus cess and surcharge. Income up to Rs 1.25 lakh from this scheme is tax free.

Please consult your CA regarding your tax liability.

'INVESTMENTS IN MUTUAL FUNDS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS. PLEASE READ ALL THE RELATED DOCUMENTS CAREFULLY BEFORE INVESTING.'

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS. PLEASE READ ALL DOCUMENTS CAREFULLY BEFORE INVESTING.

ईएलएसएस

ईएलएसएस के दो प्रकार हैं एक हाइब्रिड और दूसरा शुद्ध इक्विटी.

ईएलएसएस क्या है?

ईएलएसएस, या इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम, म्यूचुअल फंड हैं जो इक्विटी में निवेश करते हैं और कुछ फंड को हाइब्रिड योजनाएं इक्विटी या ऋण दोनों में निवेश करती हैं. डेट मार्केट[ऋण योजनाएं सरकारी बांड और डिबेंचर (कंपनियों द्वारा जारी वाणिज्यिक पत्रों में निवेश करती हैं)।] में आवंटित करते हैं।

वे टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के अंतर्गत आते हैं।

इस अधिनियम के तहत, ईएलएसएस फंड आपको सालाना 1,50,000 रुपये तक की कटौती का दावा करने की अनुमति देते हैं, जिससे आपको कर में 46,800 रुपये बचाने में मदद मिल सकती है।[यदि आप 30% टैक्स ब्रैकेट में हैं।]

ईएलएसएस म्यूचुअल फंड की विशेषताएं:

1. दोहरा लाभ

ईएलएसएस फंड भारतीय बाजार में एकमात्र प्रकार के म्यूचुअल फंड हैं, जो आपको कर छूट और धन वृद्धि का दोहरा लाभ देते हैं।

2. रिटर्न मुद्रास्फीति को मात दे सकता है-

इन कर-बचत निवेशों का एक प्रमुख लाभ यह है कि वे फिक्स्ड डिपॉजिट और बचत खाते में फंड के विपरीत मुद्रास्फीति की दर को मात देने की क्षमता रखते हैं, जो लगातार मुद्रास्फीति दर को पार करने में विफल रहते हैं।

3. वित्तीय विशेषज्ञों द्वारा प्रबंधित

ELSS म्यूचुअल फंड का प्रबंधन फंड मैनेजरों द्वारा किया जाता है, जिनके पास पोर्टफोलियो के प्रबंधन और रिटर्न देने का एक ट्रैक रिकॉर्ड होता है, इसमें बेंचमार्क को मात देने की संभावना है.

4. सबसे छोटी लॉक इन अवधि

कर छूट का लाभ उठाने के तरीके के रूप में धारा 80 सी के तहत प्रस्तुत सभी विकल्पों में से, ELSS म्यूचुअल फंड में तीन साल की सबसे छोटी लॉक इन अवधि होती है. ELSS फंड तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं, जो 80C विकल्पों की बात करें तो सबसे कम है।

MUTUAL FUND INVESTMENTS ARE SUBJECT TO MARKET RISKS. PLEASE READ ALL DOCUMENTS CAREFULLY BEFORE INVESTING.

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम फंड कर दक्षता और मजबूत रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं, जिससे वे संपत्ति बनाते समय कर-बचत निवेश के लिए पसंदीदा विकल्प बन जाते हैं।

इन फंड द्वारा दिए जाने वाले प्रमुख कर लाभ इस प्रकार हैं:

- धारा 80सी कटौती: ELSS निवेश धारा 80सी के तहत कटौती के लिए योग्य हैं, जिससे निवेशक अपनी कर योग्य आय से 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं।

- अधिकतम कर बचत: निवेशक अपनी कर योग्य आय को कम कर सकते हैं और अपने कर ब्रैकेट के आधार पर 46,800 रुपये तक बचा सकते हैं।

- दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर: लॉक-इन अवधि के बाद, निवेशक इसे भुना सकते हैं

- इस योजना में 1.25 लाख के बाद लाभ पर कर की दर एलटीसीजी प्लस सेस और सरचार्ज के रूप में लगाई जाती है। इस योजना से 1.25 लाख तक की आय कर मुक्त है।

कृपया अपनी कर देयता के बारे में अपने **CA** से परामर्श लें.

'म्यूचुअल फंड में निवेश बाजार जोखिम के अधीन है। कृपया निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेज़ ध्यान से पढ़ें।'